डिनायल ऑफ-सर्विस (DoS) अटैक

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का X (पहले ट्विटर) पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ साक्षात्कार **डिनायल ऑफ सर्विस (DoS)** नामक साइबर हमले से बाधित हुआ था।

- DoS हमला तब होता है जब बड़ी संख्या में उपयोगकर्त्ता एक ही समय में एक विशिष्ट ऑनलाइन सर्वर के पर अपना **ट्रैफिक निर्देशित करते हैं, जिससे वेबसाइट का उपयोग करना असंभव** हो जाता है।
  - **बॉट्स** का उपयोग नेटवर्क पर दबाव डालने के लिये किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप **लोडिंग का समय धीमा हो सकता है या इंटरनेट सेवाएँ पूरी तरह से ठप्प हो सकती हैं।**
- **DoS हमलों के प्रकार:**
  - **स्मर्फ अटैक**: हमलावर एक नकली **IP एड्रेस** प्रयोग करते हैं, जो वास्तव में टारगेट मशीन का एड्रेस होता है। जैसे ही टारगेट मशीनें प्रतिक्रिया देती हैं, वे अपने **स्वयं के सर्वर को फ्लड कर** देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप DoS हमला होता है।
  - **SYN फ्लड अटैक**: हमलावर लक्ष्य सर्वर से कनेक्ट करने के लिये अनुरोध भेजता है, लेकिन कनेक्शन पूरा नहीं करता है।**कई लक्षित अधूरे कनेक्शन फिर से सर्वर पर लोड डालते हैं, जिससे** वैध कनेक्शन को सुचारू रूप से पूरा करना मुश्किल हो जाता है।
- **DDoS का उदाहरण:** पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले **"एनॉनमस सूडान"** नामक हैकर्स ने फ्राँसीसी सरकार के नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर पर **डिस्ट्रिब्यूटेड डेनियल ऑफ सर्विस (DDoS)** हमला किया था।
  - DoS हमले और DDoS हमले के बीच मुख्य अंतर यह है कि **DoS एक सिस्टम-ऑन-सिस्टम हमला है, जबकि DDoS में कई सिस्टम एक ही सिस्टम पर हमला** करते हैं।

//

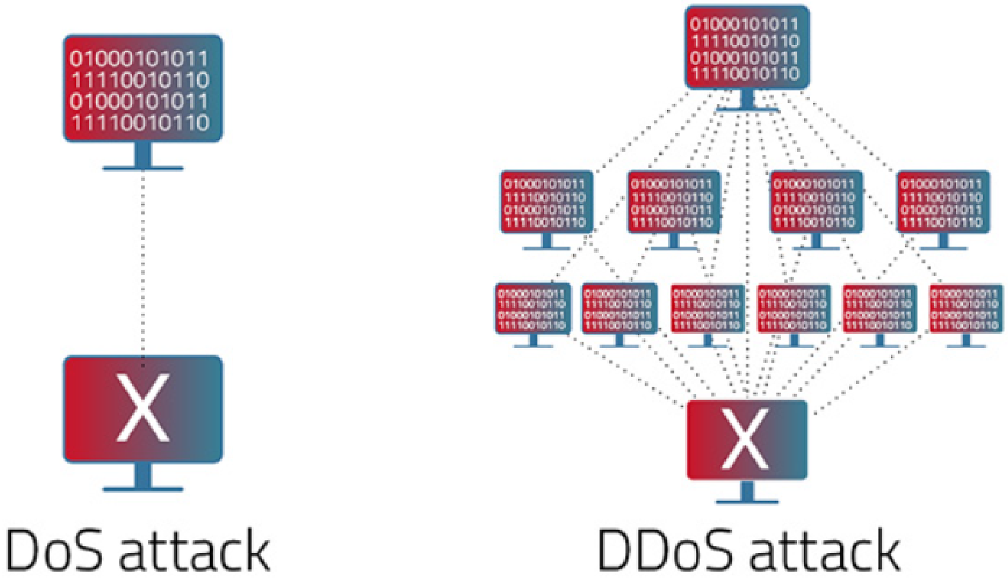

और पढ़ें: साइबर सुरक्षा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/denial-of-service-dos-attack